**क्रांति समय**
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुपी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
# क्रांति समय
RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

**क्रांति समय**
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुपी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 297, मंगलवार, 27 नवम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### भाजपा से गठबंधन नहीं करेगी भूटिया की पार्टी

**गंगटोक, एजेंसी।** प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी से राजनेता बने बाईचुंग भूटिया के नेतृत्ववाली हमरो सिक्किम पार्टी ने चुनावी गठबंधन बनाने के भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। दरअसल भूटिया की पार्टी चाहती थी कि पहले भाजपा सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट पार्टी (एसडीएफ) के साथ अपने गठबंधन को समाप्त करे। भूटिया ने कहा कि भाजपा के साथ तब तक कोई गठबंधन नहीं किया जा सकता जब तक कि भाजपा और एसडीफ का गठबंधन कायम रहता है। पार्टी के उपाध्यक्ष भूटिया ने कहा, हमारी पार्टी सिक्किम लोगों के हित में काम कर रही है। इसलिए, हम इस तरह के गठबंधन में शामिल नहीं होंगे। सत्तारूढ़ एसडीएफ का विरोध करने के लिए हमरो सिक्किम पार्टी की स्थापना की गई थी।

### किसान 29 व 30 कोदिल्ली में करेंगे ''मार्च'

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देशभर के एक लाख से ज्यादा किसानों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ 29 व 30 नवम्बर को राजधानी में मार्च निकालने की योजना बनाई है। अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति (एआईकेएससीसी) के संयोजक हन्नान मोल्लाह ने कहा कि 29 नवम्बर को दिल्ली के अलग-अलग इलाकों बिजवासन, मजनूं का टीला, निजामुद्दीन और आनंद विहार से रामलीला मैदान तक किसान मुक्ति मार्च निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि 30 नवम्बर को किसान रामलीला मैदान से संसद की ओर मार्च शुरू करेंगे। इसके बाद संसद मार्ग पर भाजपा को छोड़कर किसान नेता और अलग-अलग दलों के नेता किसानों के मुद्दों पर आवाज बुलंद करेंगे। अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव अतुल कुमार अंजान ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और आंध्र प्रदेश, केरल, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्रियों समेत तमाम बड़ेविपक्षी नेताओं को विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का निमंतण्र भेजा गया है।

### सेफ्टी गार्ड लगाने की छूट 18 फरवरी तक बढ़ी

**वाहन चालकों को भी मिली राहत**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** गाड़ियों में लगाये जाने वाले सेफ्टी गार्ड/बुलगार्ड पर सरकार द्वारा लगाई गई रोक पर हाईकोर्ट ने अगले साल 18 फरवरी तक के लिए स्टे लगा दिया है। इंडियन सेफ्टी गार्ड इंड्रस्ट्री के अध्यक्ष नरेंद्र मदान ने बताया कि हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान बुलगार्ड निर्माताओं (सेफ्टी गार्ड) की बातों को गौर से सुना और उनकी मांग पर 18 फरवरी तक के लिए स्टे लगा दिया है। मदान ने कहा कि 20 अगस्त को हाईकोर्ट की डबल बेंच में सुनवाई के दौरान हमने अपना पक्ष रखते हुए कमेटी के सुझाव के बारे में कोर्ट को बताया था। कोर्ट ने हमारी बात सुनी और हमने कोर्ट से क्रेश टेस्ट करवाने के लिए अनुरोध किया था। हमने कोर्ट को बताया था कि हमारी कमिटी से बात चल रही है अत: कमिटी की सिफ़ारिश आने तक स्टे को आगे बढ़ाया जाए। कोर्ट ने हमारे अनुरोध को मानते हुए हमें 22 नवंबर 2018 तक का समय बढ़ा दिया था।

*राजगीर के घोरा कटोरा झील में रविवार को महात्मा बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण कर नाव से लौटते बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार।*

## लगातार 5वें दिन घटे पेट्रोल के दाम, दिल्ली में 74 तो मुंबई में 80 हुई कीमत, जानें बाकी शहरों के रेट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पेट्रोल और डीजल के दाम रोज घटने से उपभोक्ताओं को मिल रही राहत का सिलसिला सोमवार को लगातार पांचवें दिन जारी रहा। अंतराष्टीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी का रुख रहने से पिछले एक महीने से ज्यादा समय से भारत में पेट्रोल और डीजल के भाव घटने का सिलसिला जारी है, जिससे वाहन चालकों व आम उपभोक्ताओं को महंगाई से राहत मिली है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में सोमवार को पेट्रोल के भाव क्रमश: 74.49 रुपये, 76.47 रुपये, 80.03 रुपये और 77.32 रुपये प्रति लीटर दर्ज किए गए। चारों महानगरों में डीजल की कीमतें क्रमश: 69.29 रुपये, 71.14 रुपये, 72.56 रुपये और 73.20 रुपये प्रति लीटर दर्ज की गईं। तेल विपणन कंपनियों ने सोमवार को दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में पेट्रोल के दाम में 35 पैसे प्रति लीटर, जबकि चेन्नई में 37 पैसे प्रति लीटर की कटौती की।

वहीं, डीजल कीमतों में दिल्ली और कोलकाता में 41 पैसे, जबकि मुंबई और चेन्नई में 43 पैसे प्रति लीटर की कटौती की गई है।

अंतराष्टीय बाजार में तीन अक्टूबर के बाद ब्रेंट क्रूड के दाम में 30 फीसदी से ज्यादा जबकि अमेरिकी लाइट क्रूड वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट यानी डब्ल्यूटीआई के भाव में करीब 33 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, बीते हफ्ते आई भारी गिरावट के बाद कच्चे तेल के दाम में रिकवरी देखी जा रही है। अंतराष्टीय वायदा बाजार इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज यानी आईसीई पर ब्रेंट क्रूड का जनवरी डिलीवरी वायदा सोमवार को पिछले सत्र के मुकाबले 0.46 फीसदी की बढ़त के साथ 59.26 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ था। वहीं, न्यूयार्क मर्केंटइल एक्सचेंज यानी नायमैक्स पर डब्ल्यूटीआई का जनवरी डिलीवरी वायदा अनुबंध .48 फीसदी की बढ़त के साथ 50.66 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ था। हालांकि, बाजार के जानकार बताते हैं कि कच्चे तेल के दाम फिलहाल उठाव की संभावना कम दिख रही है, जबकि इस बात की प्रबल संभावना है कि छह दिसंबर को वियना में ऑर्गेनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज यानी ओपेक की बैठक में सउदी अरब तेल की आपूर्ति घटाने पर जोर डालेगा है। जानकार बताते हैं कि ओपेक के सभी सदस्यों के बीच तेल का उत्पादन घटाने पर सहमति होने की संभावना कम है। वहीं, अमेरिका में कच्चे तेल का भंडार बढ़ने से कीमतों पर दबाव बना रह सकता है।

### संतजनों का अद्वितीय मिलन है सत्संग : मां सुदीक्षा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर 71वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के पहले दिन माता सुदीक्षा ने कहा कि सत्संग कोई रस्म नहीं बल्कि यह ज्ञानी संतजनों का अद्वितीय मिलन है।

जब वे निजी आध्यात्मिक अनुभव से बोलते हैं तो उनके हर शब्द से हमें प्रेरणा प्राप्त होती है। इसलिइ हमें उन्हें बड़े ध्यान से सुनना चाहिए। उन्होने कहा कि जब हम सत्संग में शामिल होते हैं तो हमें पूरी मर्यादा और अनुशासन का पालन करना चाहिये।

इस तीन दिवसीय संत समागम के आरंभिक सत्र में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर खट्टर और परिवहन मंत्री कृष्ण लाल पंवार भी पहुंचे।

››› **एक नागरिक की भी मौत**

## शोपियां में छह आतंकी ढेर, जवान शहीद

**श्रीनगर, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में रविवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में छह आतंकवादी मारे गए और इस दौरान एक सैनिक भी शहीद हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों ओर से हुई गोलीबारी में एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य स्थानीय लोग घायल हो गए, जिससे युवकों और सुरक्षा बलों के बीच भीषण झड़प हो गई। अभियान की जानकारी देते हुए अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों ने देर रात हिपुरा बाटागुंड गांव में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलायीं जिससे अभियान मुठभेड़ में बदल गया। अधिकारी ने कहा, शुरुआती गोलीबारी में 34 आरआर का एक जवान घायल हो गया था। जवान को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हालांकि, 34 आरआर का एक जवान नजीर अहमद, जो गंभीर रूप से घायल हो गया था, ने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में छह आतंकवादी ढ़ेर हो गए और उनके शव घटनास्थल से बरामद कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन के बारे में पता लगाया जा रहा है। मौके से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ स्थल के पास गोलीबारी में पांच नागरिकों को भी गोली लग गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक ने दम तोड़ दिया। अन्य घायलों का इलाज जारी है।

### सरकार की नई पेट नीति के विरोध में प्रदर्शन

**नई दिल्ली।** सरकार की नई पेट नीति के विरोध में जंतर-मंतर पर पशु प्रेमी, पेट शॉप के मालिक, ब्रीडर्स एवं पशुओं के कारोबार से जुड़े लोगों ने प्रदर्शन किया। हाल ही में सरकार द्वारा पारित दो नई पेट नीतियों से जुड़े मुद्दों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए पशुओं के हित में काम करने वाले स्वयंसेवी एनजीओ पेट लवर्स एसोसिएशन ने इस विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। नई पेट नीति के पशुओं एवं लोगों पर बुरे असर के बारे में बात करते हुए एसोसिएशन के महासचिव अजय प्रताप सिंह ने कहा कि हम जानवरों के साथ होनी वाली निर्दयता के खिलाफ हैं, लेकिन ये नियम न केवल ब्रीडिंग एवं कारोबार समुदाय के लिए प्रतिकूल हैं बल्कि मानवता एवं पशु विरोधी भी हैं। ये कुछ समूहों द्वारा जानवरों के खिलाफ आपराधिक, अनैतिक एवं गैर-कानूनी कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं, जो पशुओं के लिए निर्दयतापूर्ण हैं। हमने देश की राजधानी से इस विरोध की शुरुआत की है और इसे अन्य राज्यों तक लेकर जाएंगे। दिल्ली के पूर्व कानून मंत्री सोमनाथ भारती ने कहा कि ये कानून वास्तव में परेशानी बढ़ा रहे हैं, इनके पीछे कोई तर्क नहीं है। हम इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे और अगर हम अगला राष्ट्रीय चुनाव जीतते हैं तो नियमों में बदलाव लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उल्लेखनीय है इसी साल 6 सितम्बर को पारित जानवरों के साथ निर्दयता की रोकथाम (पेट शॉप) नियम ने लगभग 5 करोड़ नौकरियों पर बुरा असर डाला है। इस मौके पर दिल्ली के पूर्व कानून मंत्री सोमनाथ भारती और राष्ट्रीय क्रान्तिकारी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय, पूर्व विदेश मंत्री एवं सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद, संसद के पूर्व सदस्य संदीप दीक्षित व किसान नेता वी एम सिंह ने प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया।

## मुंबई हमले में शामिल अपराधियों की पहचान बताने वाले को अमेरिका देगा 35 करोड़

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका ने 2008 के मुंबई हमले में शामिल किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी या उसकी दोषसिद्धि के लिये सूचना देने वालों को 50 लाख डॉलर का इनाम देने की सोमवार को घोषणा की है। ट्रंप प्रशासन ने मुंबई हमले की 10वीं बरसी पर इस बड़े पुरस्कार (35 करोड़ रुपये से अधिक) की घोषणा की। इस हमले में लश्कर-ए-तैयबा के 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने भारत की वित्तीय राजधानी पर हमला किया था जिसमें छह अमेरिकियों समेत 166 लोग मारे गए थे। यह कदम उपराष्ट्रपति माइक पेंस के सिंगापुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक करने के एक पखवाड़े से भी कम समय में उठाया गया है। इस मुद्दे को उठाया गया था कि मुंबई हमले के 10 साल बीत जाने के बावजूद हमले में शामिल अपराधियों को न्याय के दायरे में नहीं लाया गया है। विदेश मंत्रालय के रिवाड्‌र्स फॉर जस्टिस प्रोग्राम ने कहा कि वह मुंबई हमले को जिसने भी अंजाम दिया, उसकी साजिश रची, उसे अंजाम देने में सहायता की या उसे उकसाया उसकी गिरफ्तारी या किसी देश में दोषसिद्धि के लिये सूचना देने वालों को 50 लाख डॉलर तक का इनाम देने की घोषणा करता है। अमेरिका 2008 के मुंबई हमले के लिये जो भी जिम्मेदार है उसकी पहचान करने और उसे न्याय के दायरे में लाने के लिये अपने अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर काम करने के लिये प्रतिबद्ध है। मुंबई हमले में शामिल लोगों के बारे में सूचना मांगने के लिये इस तरह का तीसरा इनाम है। अप्रैल 2012 में विदेश मंत्रालय ने लश्कर-ए-तयैबा के संस्थापक हाफिज सईद और लश्कर के एक अन्य वरिष्ठ नेता हाफिज अब्दुल रहमान मक्की को न्याय के दायरे में लाने के लिये सूचना देने वालों को इनाम देने की घोषणा की थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दिसंबर 2001 में विदेश मंत्रालय ने लश्कर-ए-तयैबा को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। यह घोषणा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और आतंकवादी गतिविधियों के लिये समर्थन में कमी लाने और समूहों पर आतंकवाद के कारोबार से अलग होने के लिये दबाव डालने का कारगर साधन है।

## संविधान दिवस: संविधान निर्माण में 15 महिलाओं का भी है योगदान

**नई दिल्ली।** आज संविधान दिवस है। आज ही के दिन, 26 नवंबर, 1949 को भारत गणराज्य का संविधान तैयार हुआ था. पहली बार 2015 में संविधान दिवस को सरकारी तौर पर मनाने का फैसला किया गया। इसी साल संविधान सभा की निर्माता समिति के अध्यक्ष डॉ भीमराव आंबेडकर का 125वां जयंती वर्ष था। संविधान दिवस मनाने का मकसद नागरिकों को संविधान के प्रति सचेत करना, समाज में संविधान के महत्व का प्रसार करना है।

संविधान के निर्माण में अन्य विभूतियों के अलावा 15 महिलाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह स्वतंत्रता सेना, अधिवक्ता, राजनेता और महिला संगठनों की प्रमुख थीं। इनमें से कुछ ने दांडी मार्च में हिस्सा लिया था, तो कुछ साइमन कमिशन के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में जेल भी गईं।

**मूल प्रति सेंट्रल लाइब्रेरी में सुरक्षित**

संविधान लागू होने के दो दिन पहले, 24 जनवरी, 1950 को तीनों प्रतियों पर संविधान सभा के सभी 308 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। यह तीनों प्रतियां संसद भवन की सेंट्रल लाइब्रेरी में बने स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखी है। इसे हीलियम भरे केस में सुरक्षित रखा गया है, ताकि यह कभी खराब न हो।

**देर तक गूंजा वंदे मातरम और भारत माता का जयघोष**

संविधान के पारित होते ही काफी देर तक वंदे मातरम् और भारत माता की जय के नारों से केंद्रीय कक्ष गूंजता रहा था। इसके बाद अरुणा आसफअली की बहन पूर्णिमा बनर्जी ने राष्ट्रगान गाया था। संविधान पर सबसे पहले पंडित जवाहर लाल नेहरू ने हस्ताक्षर किए थे।

**नंदलाल बोस ने 22 भागों में 22 चित्र बना**

संविधान के हर पेज चित्रों से सजाने काम का काम आचार्य नंदलाल बोस को सौंपा गया था। उनके मार्गदर्शन में उनके शिष्यों ने संविधान को डिजाइन देने का काम किया।

बड़ी-बड़ी तस्वीरों को नंदलाल बोस ने खुद से पेंट किया। 221 पेज के इस दस्तावेज के हर पन्ने पर चित्र बनाना संभव नहीं था, लिहाजा नंदलाल बोय ने संविधान के हर भाग की शुरुआत में 8-13 इंच के चित्र बनाए। संविधान में कुल 22 भाग हैं। इस काम में उन्हें चार साल लगे। इसके लिए उन्हें 21,000 रुपये मेहनताना दिया गया। संविधान के सबसे अहम पेज 'प्रस्तावना' को अपनी कला से सजाने का काम व्यौहार राममनोहर सिन्हा ने किया। वह नंदलाल बोस के एक शिष्य थे।

**संविधान दिवस आज, 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था संविधान**

संविधान की तीन प्रतियां बनवाई गई थीं, जिनमें से दो को नंदलाल बोस और राम मनोहर सिन्हा द्वारा सुसज्जित पन्नों पर प्रेम बिहारी रायाजादा ने, एक हिंदी और दूसरी अंग्रेजी में तैयार किया, जबकि तीसरी कॉपी जो अंग्रेजी में है, उसे देहरादून में छपवाया गया।

**कैसी दिखती है मूल प्रति**

16 इंच चौड़ी है संविधान की मूल प्रति

22 इंच लंबे चर्मपत्र शीटों पर लिखी गई है

251 पृष्ठ शामिल थे इस पांडुलिपि में

संविधान सभा को आज ही के दिन किया था बाबा साहब ने संबोधित

**संविधान की प्रस्तावना**

हम भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी , धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करनेवाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर 1949 ई (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

कितने दिन में हुआ तैयार

पूरा संविधान तैयार करने में 2 वर्ष, 11 माह 18 दिन लगे थे। यह 26 नवंबर, 1949 को पूरा हुआ था। 26 जनवरी, 1950 को भारत गणराज्य का यह संविधान लागू हुआ था।

**कैलीग्राफी के जरिये तैयार हुई थी पहली प्रति**

भारतीय संविधान की पहली प्रति को कैलीग्राफी के जरिये तैयार किया गया था। इसे दिल्ली निवासी प्रेम बिहारी रायजादा ने तैयार किया था। पंडित नेहरू ने प्रेम बिहारी रायजादा से संविधान की प्रति लिखने का अनुरोध किया। सक्सेना कायस्थ परिवार में जन्मे प्रेम बिहारी रायजादा का पारिवारिक कार्य कैलीग्राफी था। उन्होंने अपनी एक शर्त रख दी। उन्होंने संविधान के हर पृष्ठ पर अपना नाम और अंतिम पृष्ठ पर अपने दादाजी का नाम लिखने की शर्त रखी थी, जिसे सरकार ने मान लिया।

**प्रेम बिहारी ने ठुकरा दिया था मेहनताना**

प्रेम बिहारी रायजादा ने सरकार द्वारा उनकी शर्त मानते ही काम करना शुरू कर दिया। सरकार ने जब रायजादा से इसके लिए मेहनताना के बारे में पूछा, तो उनका जवाब बड़ा गंभीर था। उन्होंने कहा, मुझे एक भी पैसा नहीं चाहिए।

भगवान की कृपा से मेरे पास सबकुछ है और मैं अपने जीवन से काफी खुश हूं। इस काम के लिए उन्हें संविधान सभा के भवन में ही एक हॉल दे दिया गया, जहां उन्होंने छह महीने में यह कार्य पूरा किया।



*लोगों को संविधान के बारे में जागरूक करना है मकसद*

## दखल

# संविधान समीक्षा पर राष्ट्रपति ने लगाई लताड़

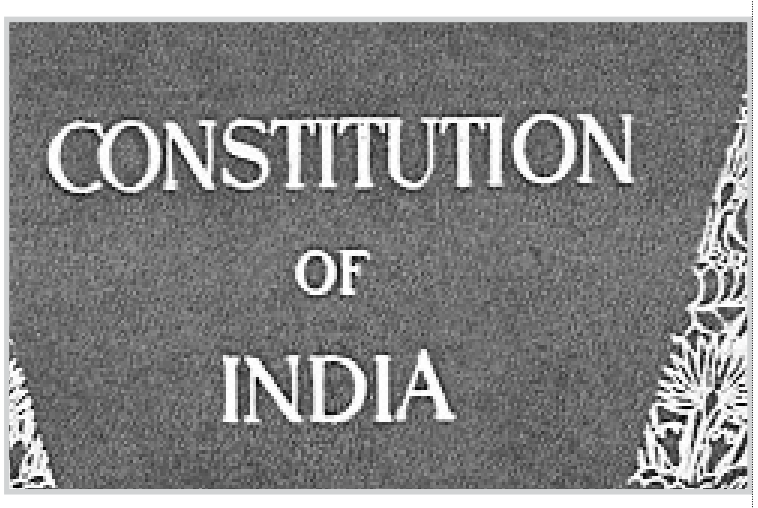


भारत दुनिया भर में एक सफल लोकतांत्रिक देश के रूप में पहचाना जाता है और इसका श्रेय हमारे संविधान को दिया जाना चाहिए। वहीं बाजारवादी समाज के भीतर समतामूलक समाज की स्थापना नहीं हो सकती, इसका एहसास देश को है। अंततः भारत का भविष्य समाजवाद में ही है और इसे लेकर सजग भी रहना होगा। हमारे नेताओं को भी संविधान में किए गए प्रावधानों के अनुसार ही काम करना चाहिए।

**यह** स्वतंत्रता के प्रणेताओं और लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों के हाथों से लिखा गया संविधान है। यह नियमों का अद्भुत और ऐतिहासिक दस्तावेज है। इसमें भारतीय संस्कृति और सभ्यता के मूलभूत आदर्श हैं, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय हासिल करने की भरपूर संभावनाएं हैं। विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास धर्म और उपासना की स्वतंत्रता भी है। इसमें अवसर की समानता भी है। यह व्यक्ति की गरिमा को संरक्षण देता है तो राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत भी करता है। यह समाजवादी, पंथ निरपेक्ष लोकतांत्रिक, संप्रभु गणराज्य भारत की जनमानस की शक्ति का केंद्र है जिससे यह देश दुनिया का सबसे बड़े और सफल लोकतंत्र के रूप में पहचान बनाने में सफल रहा है। यहां लोगों के मौलिक अधिकार स्वयं सक्रिय है अर्थात् उन्हें चलायमान करने के लिए किसी विधि की आवश्यकता नहीं होती। 1967 में गोलकनाथ वाद में 11 न्यायाधीशों की पीठ ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए कहा था कि मूल अधिकार अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण है, जिनका संशोधन नहीं किया जा सकता। यहां मूल कर्तव्य भी है जिसमें राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को संजोये रखने की बात है। वहीं राज्य के नीति निदेशक तत्वों में आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना की संभावनाएं बताई गई है।

ग्रेनविल आस्टिन ने तो राज्य के नीति निदेशक तत्वों को सामाजिक क्रांति का उद्देश्य तक बताया है। यहां पर देश की समूची कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति को दी गई है और तीनों सेनाओं का प्रधान सेनापति भी उन्हें बनाया गया है। जाहिर है संविधानविज्ञों ने इसके जरिए यह तय किया है कि सामरिक और वैधानिक मुद्दे पर कोई फैसला राजनीति से प्रेरित न हो। इसके साथ ही विविधताओं वाले इस देश के विभिन्न राज्यों में भले की भिन्न भिन्न विचारधाराओं वाले दलों का शासन हो लेकिन राष्ट्रपति के प्रति सबकी जिम्मेदारी, सम्मान और मर्यादा बनी रहे जिससे देश का संवैधानिक ढांचा मजबूत रह सके। यहां लोकतंत्र का सबसे बड़ा केंद्र संसद है और लोकसभा उसका सबसे महत्वपूर्ण संस्थान है, जिसमें देश के कोने-कोने से 543 सदस्य चुनकर आते हैं और लोकतंत्र के इस मंदिर की गरिमा बढ़ाते हैं।

देश में सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए अनुसूचित जाति व जनजाति के लिए सीटें आरक्षित की गई हैं, जिससें देश के वंचित वर्ग को राजनीतिक स्तर पर प्रतिनिधित्व मिल सके। यहां राज्यसभा जैसा उच्च सदन भी है जो लोकतंत्र को समन्वयकारी बनाता है और सदन की गुणवत्ता भी बढ़ाता है। न्याय पर विश्वास से देश बनते हैं और भारत में न्याय पालिका का एकीकृत रूप है। संघ और राज्य के लिए एक ही न्याय पालिका है जिससे देश की एकता और अखंडता की रक्षा सुनिश्चित होती है। भारत में उच्चतम न्यायालय मूल अधिकारों का रक्षक और संविधान का संरक्षक भी है। वहीं राज्यों का प्रथम नागरिक राज्यपाल है, जाहिर है क्षेत्रीय अस्मिता को राष्ट्र में संतुलित रखने के लिए यह बेहतरीन प्रावधान है। राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और राष्ट्रपति जब तक चाहें, राज्यपाल पद पर बने रहते है। गांधी ने सत्ता के विकेंद्रीकरण का सपना देखा था और पंचायती राज्य उसी को प्रतिबिंबित करता है। यह शासन सत्ता को आम लोगों तक पहुंचाने का प्रयास है। किसी लोकतांत्रिक राष्ट्र में निर्वाचन के लिए तटस्थ और स्वायत्त संस्था होना चाहिए,भारत का निर्वाचन आयोग दुनिया का सबसे विश्वसनीय अभिकरण माना जाता है जिसने अपने कार्यों से देश में लोकतंत्र को निरंतर मजबूत और प्रतिबद्ध किया है। यहां पर समय के साथ संविधान परिवर्तन की व्यवस्था भी है जिससे वह परिवर्तित परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को अनुकूल बना सके।

स्वतंत्र भारत में देश का पुनर्निर्माण करने की बड़ी चुनौती थी और इसे पंचवर्षीय योजनाओं के द्वारा बखूबी अंजाम भी दिया गया। भारत बहुसांस्कृतिक, बहु भाषाई और भौगोलिक विविधताओं के बाद भी अपनी संवैधानिक शक्ति से निरंतर आगे बढ़ता रहा। जबकि भारत का पड़ोसी पाकिस्तान संविधान आधारित समाज की स्थापना में बुरी तरह नाकाम रहा और बनने के महज 24 साल में ही उसके दो टुकड़े हो गए। सत्ता के दो घटक हैं, शक्ति और वैधता। किसी नियम या निर्णय की वैधता यह संकेत करती है कि लो÷ उस नियम या निर्णय को अपने लिए तथा सारे समाज के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं तथा मन से स्वीकार करते हैं। इस स्वीकार्यता के कारण ही देश में सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक व समुचित वैज्ञानिक विकास भी हुए। 90 के दशक में जब दुनिया में उदारीकरण, वैश्वीकरण व निजीकरण का दौर प्रारंभ हुआ तो इसका प्रभाव भारत के समाजवादी ढांचे पर पड़ना ही था। स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र होने से सत्ता मुट्ठी भर लोगों के हाथों से फिसल चुकी थी और ऐसी ताकतें अनुकूल समय का ही इंतजार कर रही थीं। वैश्वीकरण ने पूंजीवाद को प्रश्रय दिया व सामंती शक्तियां भारत में भी क्रियाशील हो गईं। 90 के दशक के अंत तक आते-आते पूंजीवादी और सामंतवादी शक्तियों ने भारत के संविधान को ही नाकाम बताने और दिखाने की कोशिश भी की। सामंती वर्गों का प्रभाव सत्ता पर भी पड़ा और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में संविधान में संशोधन की जरूरत पर विचार करने के लिए न्यायमूर्ति वैंकटचेलैया की अध्यक्षता में 22 फरवरी, 2000 को संविधान समीक्षा के राष्ट्रीय आयोग का गठन किया गया।

आयोग ने संसदीय ढांचे के अंतर्गत अब तक के कार्यों की समीक्षा का निर्णय लिया। साल 2002 में आयोग ने अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी। यही भी बेहद दिलचस्प है कि राष्ट्रीय आयोग ने विभिन्न विषयों पर विचार के लिए दस विशेषज्ञों के दल गठित किए थे। आयोग ने सार्वजनिक बहस के लिए 22 परामर्श पत्र भी जारी किए थे। मगर जनता ने इन सार्वजनिक पत्रों पर विशेष रुचि नहीं दिखाई। न्यायमूर्ति वेंकटचेलैया ने स्वीकार किया था कि विशाल आबादी वाले देश में आयोग को सिर्फ 26 हजार प्रतिक्रियाएं मिलीं जो हर तरह से अपर्याप्त थीं। ऐसे आयोग के गठन का विरोध कई संस्थाओं के साथ तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायणन ने भी किया था। 26 जनवरी-2000 को 50वें गणतंत्र दिवस के मौके पर उन्होंने संविधान समीक्षा की जरूरत पर सवाल उठाते हुए कहा था कि जब संशोधन की व्यवस्था है तो फिर समीक्षा क्यों होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान में परिवर्तन के बजाए नेताओं को अपने आचरण में परिवर्तन करना चाहिए।

दरअसल तत्कालीन राष्ट्रपति समाजवादी ढांचे, सामाजिक न्याय को प्रभावित करने वाली कोशिशों और राजनेताओं के गैर जिम्मेदार कार्यों से नाराज थे। संविधान निर्माण के समय भारत के संविधान की शक्ति और क्षमताओं को लेकर डॉ. भीमराव अंबेडकर ने साफ किया था कि मैं महसूस करता हूं कि संविधान चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि वे लोग, जिन्हें संविधान को अमल में लाने का काम सौंपा जाए, खराब निकले तो निश्चित रूप से संविधान खराब सिद्ध होगा। दूसरी ओर, संविधान चाहे कितना भी खराब क्यों न हो, यदि वे लोग, जिन्हें संविधान को अमल में लाने का काम सौंपा जाए, अच्छे हों तो संविधान अच्छा सिद्ध होगा। स्वतंत्र भारत का भावी भविष्य तय करते हुए अंबेडकर संविधान सभा को चेतावनी देते हैं कि अगर हमने इस गैरबराबरी को खत्म नहीं किया तो इससे पीड़ित लोग उस ढांचे को ध्वस्त कर देंगे, जिसे संविधान सभा ने इतनी मेहनत से बनाया है।

**डॉ. ब्रह्मदीप अलूने**
(वरिष्ठ पत्रकार)

## विचार

# कानून से ज्यादा जिम्मेदारी जरूरी

चाइल्ड पोर्नोग्राफी से निपटने सरकार मौजूदा काननू में बड़ा बदलाव करने जा रही है। अब दोषी को जमानत नहीं मिल पाएगी। उसे सलाखों के पीछे जाना ही होगा। हालांकि, कानून काम करेगा, पर समाज को भी अपनी जिम्मेदारी का पूरी तरह से निर्वहन करना होगा।

व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए चाइल्ड पॉर्नोग्राफी मटीरियल रखने, उसे देखने या उसके संग्रहण और वितरण पर दंड का प्रावधान और कठोर हो सकता है। इसके तहत मोटा जुर्माना और जेल की सजा बढ़ाकर पांच वर्ष तक का प्रावधान किया जा सकता है। ऐसा किया जाना गैर-जमानती अपराध माना जाएगा और दूसरी बार दोषी पाए जाने पर सात वर्ष तक की सजा हो सकेगी। दरअसल, संशोधन प्रस्ताव में सबसे कठोर दंड का प्रावधान उन लोगों के लिए किया गया है जो अश्लील सामग्री का संग्रह व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए करते हैं। अभी सेक्शन 15 के तहत ज्यादा-से-ज्यादा तीन साल तक की सजा और जुर्माना अथवा दोनों का प्रावधान है। अब इसमें संशोधन कर यह सुनिश्चित करने का प्रस्ताव है कि पहली बार दोषी पाए गए लोगों को कम से कम तीन साल और ज्यादा से ज्यादा पांच साल तक की जेल हो। लेकिन, अगर कोई दूसरी बार दोषी पाया जाए तो उसे कम से कम पांच साल और ज्यादा से ज्यादा साल सात वर्ष की सजा दिए जाने का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है।

सरकार कानून में सख्ती कर रही है, यह उम्दा है। लेकिन इस पहलू पर कानून से ज्यादा जागरूकता की जरूरत है। देखा जाए तो इंटरनेट ने आम जीवन में बहुत सारी आसानियां पैदा कर दी हैं लेकिन जैसे-जैसे इसका फैलाव बढ़ा है, वैसे-वैसे इसका वीभत्स रूप भी हमारे सामने खड़ा हो गया है। इसी का वीभत्स रूप है पोर्नोग्राफी। इन्टरनेट पर पोर्नोग्राफी का विस्तार इतना अधिक हो गया है कि सरकारों ने भी अपने हाथ खड़े कर दिए हैं, लेकिन पोर्नोग्राफी का भी वीभत्स रूप है चाइल्ड पोर्नोग्राफी, जो दुनिया के लिए चुनौती बन गई है। बदकिस्मती से चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में भारत दुनिया में सबसे आगे है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर इस समस्या का समाधान क्या है? क्यों इस पर रोक लगाने में दिक्कत आ रही है? दुनिया के देश जहां इस पर सख्त कानून हैं, वहां इससे कैसे निपटा जा रहा है? पिछले दिनों हैदराबाद में एक अमेरिकी नागरिक जेम्स कर्क जोन्स की गिरफ्तारी हुई। उसके पास से चाइल्ड पोर्न से जुड़ी करीब 30 हजार फाइलें बरामद हुई थीं।

भारत में सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिनियम (2000) में चाइल्ड पोर्नोग्राफी के खिलाफ प्रावधान मौजूद हैं। हालांकि केवल कानून बना देने से इस अभिशाप को रोका नहीं जा सकता और न ही कुछ वेबसाइट्स को ब्लॉक करके। बहरहाल भारत में इस बात की आवश्यकता है कि सरकार जो नया कानून बना रही है, उसका सख्ती से पालन हो और किसी भी स्तर पर ढिलाई न बरती जाए। शोध के मुताबिक 12 से 18 वर्ष की आयु तक के 90 प्रतिशत लड़के और 60 प्रतिशत लड़कियां पोर्नोग्राफी की जद में आ सकती हैं। अब स्थिति इतनी भयानक है तो कि कानून बना देने और सरकार पर सारी जिम्मेदारी डाल देने से काम नहीं चलेगा। इसकी रोकथाम के लिए परिवार और समाज को भी सकारात्मक भूमिका निभानी पड़ेगी।

# बिगड़ते पर्यावरण ने किया कबाड़ा

आज पर्यावरण दिवस है। मगर अब भारत ही नहीं पूरी दुनिया का पर्यावरण जीने योग्य नहीं रह गया है। भारत के संदर्भ में देखें तो दिल्ली इस समय हर नागरिक के लिए चेतावनी की तरह है। लेकिन इस बात की उम्मीद बेहद कम है कि हम कोई सबक सीखेंगे। अगर अब भी हम नहीं चेते तो स्थिति इतनी विकट हो जाएगी कि हमारे पास स्थिति से निपटने का समय ही नहीं बचेगा और हम अपना कल आज ही नष्ट कर देंगे।

**आज** विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस है। पर्यावरण व जीवन के बीच अटूट संबंध होता है बावजूद इसके हम इस सच्चाई को नकारकर आगे बढ़ते जा रहे हैं। इस लिहाज ऐसे दिवस खुद में बेमानी से लगते हैं। आखिर मानव क्यों पर्यावरण के संरक्षण, संवर्धन और विकास के संकल्प को नकारता जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण दिवस का मकसद नागरिकों को प्रदूषण की समस्या से अवगत कराने के साथ ही पर्यावरण के प्रति जागरूक करना होता है। संसार के कुछ देश पर्यावरण की बिगड़ती स्थिति व उसके बाद होने वाले नुकसान से बेखबर हैं। नौबत अब ऐसी भी आ गई है कि दिल्ली जैसे बड़े शहरों में पर्यावरण को साफ करने के लिए कृत्रिम बारिश के भी इंतजाम करने पड़ रहे हैं।

पर्यावरण को विकृत और दूषित करने वाली समस्त स्थितियों तथा कारणों के लिए हम मानव उत्तरदायी हैं। बेहताशा बढ़ती जनसंख्या की आवास तथा बेकारी की समस्या को दूर करने के लिए जंगलों, हरे-भरे खेतों, बाग-बगीचों को काटा जा रहा है। नगरों महानगरों में गंदगी का ढेर बन गया है। बड़े बड़े कल-कारखानों की चिमनियों से निकलने वाला विषैला धुआं, रेलगाड़ी व अन्य मोटर वाहनों के पाइपों और इंजनों से निकलने वाली जैसे रसायनों की गंध और कचरा अवशिष्ट रासायनिक पानी परमाणु भट्ठियों से निकलने वाले जहरीले तत्व से वायु तथा जल प्रदूषित हो रहा है। प्रकृति हो या मानव जीवन समाज हो अथवा देश सभी की उचित स्थिति सुख-समृद्धि तभी तक रह सकती है, जब तक उनमें पर्याप्त संतुलन बना रहे, लेकिन कुछ सालों से पर्यावरण पूरी तरह से असंतुलित हो गया है। पर्यावरण दिवस मनाने के मायने क्या हैं इसको समझा अब इसलिए भी जरूरी हो गया है कि इस दिवस के मौके पर केंद्र सरकार व राज्य सरकारों की ओर से पर्यावरण को बचाने के लिए तमाम योजनाओं का श्रीगणेश किया जाता है। पर दूसरे दिन भुला दिए जाते हैं, जिसके चलते इस मुहीम का नतीजा कुछ नहीं निकला और सभी योजनाएं दम तोड़ देती हैं। यह सब देखकर तो लगता है कि पर्यावरण दिवस सिर्फ परंपरा के तौर पर ही मनाया जाता है।

प्रकृति ने पृथ्वी पर जीवन के लिए प्रत्येक जीव के सुविधानुसार उपभोग संरचना का निर्माण किया है। परंतु मनुष्य ऐसा समझता है कि इस पृथ्वी पर जो भी पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, कीट-पतंगे, नदी, पर्वत व समुद्र आदि हैं वे सब उसके उपभोग के लिए हैं और वह पृथ्वी का मनमाना शोषण कर सकता है। यद्यपि इस महत्वाकांक्षा ने मनुष्य को एक ओर उन्नत और समृद्ध बनाया है तो दूसरी ओर कुछ दुष्परिणाम भी प्रदान किए हैं, जो आज विकराल रूप धारण कर खड़े हैं। वर्षाजल के भूमि में न समाने से जलस्रोत सूख रहे हैं। नतीजतन सैकड़ों की संख्या में गांवों को पेयजल किल्लत से जूझना पड़ रहा तो सिंचाई के अभाव में हर साल परती भूमि का रकबा बढ़ रहा है। नमी के अभाव में जंगलों में हर साल ही बड़े पैमाने पर लगने वाली आग से वन संपदा तबाह हो रही है। जल ही जीवन है और इसके बगैर जिंदगी संभव नहीं लेकिन इसके अथाह दोहन ने कई तरह से पर्यावरणीय संतुलन बिगाड़ दिया है। कुछ साल पहले कई बड़े जलाशय बनाए गए थे। इनको सिंचाई, विद्युत और पेयजल की सुविधा के लिए हजारों एकड़ वन और सैकड़ों बस्तियों को उजाड़कर बनाया गया था मगर वे भी अब दम तोड़ रहे हैं। केंद्रीय जल आयोग ने इन तालाबों में जल उपलब्धता के जो ताजा आंकड़े दिए हैं, उनसे साफ जाहिर होता है कि आने वाले समय में पानी और बिजली की भयावह स्थिति सामने आने वाली है। इन आंकड़ों से यह साबित होता है कि जल आपूर्ति विशालकाय जलाशयों की बजाए जल प्रबंधन के लघु और पारंपरिक उपायों से ही संभव है न कि जंगल व बस्तियां उजाड़कर। बड़े बांधों के अस्तित्व में आने से एक ओर तो जल के अक्षय स्रोत को एक छोर से दूसरे छोर तक प्रवाहित रखने वाली नदियों का वर्चस्व खतरे में पड़ गया है। देश के 76 विशाल और प्रमुख जलाशयों की जल भंडारण की स्थिति पर निगरानी रखने वाले जल आयोग द्वारा कुल वर्ष पहले तालाबों की जल क्षमता के जो आंकड़े दिए हैं, वे बेहद गंभीर हैं।

इन आंकड़ों के मुताबिक 20 जलाशयों में पिछले दस वर्षों के औसत भंडारण से भी कम जल का भंडारण हुआ है। गौरतलब है कि दिसंबर 2005 में केवल छह जलाशयों में ही पानी की कमी थी, जबकि फरवरी की शुरुआत में ही 14 और जलाशयों में पानी की कमी हो गई। इन 76 जलाशयों में जिन 31 जलाशयों से विद्युत उत्पादन किया जाता है पानी की कमी के चलते विद्युत उत्पादन में लगातार कटौती की जा रही है। जिन जलाशयों में पानी की कमी है, उनमें उत्तर प्रदेश के माताटीला बांध और रिहंद, मध्य प्रदेश के गांधी सागर व तवा, झारखंड के तेनूघाट, मेथन, पंचेतहित व कोनार, महाराष्ट्र के कोयना, ईसापुर, येलदरी व ऊपरी तापी, राजस्थान का राण प्रताप सागर, कर्नाटक का वाणी विलास सागर, उड़ीसा का रेंगाली, तमिलनाडु का शोलायार, त्रिपुरा का गुमटी और पश्चिम बंगाल के मयुराक्षी व कंग्साबती जलाशय शामिल हैं।

चार जलाशय तो ऐसे हैं जो पिछले कुछ साल से लगातार पानी की कमी के कारण लक्ष्य से भी कम विद्युत उत्पादन कर रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश के रिहंद जिले के जलाशय की स्थापित क्षमता 399 मेगावाट है। इसके लिए अप्रैल 2005 से जनवरी 2006 तक 938 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन वास्तविक उत्पादन 847 मिलियन यूनिट ही हो सका। मध्य प्रदेश के गांधी सागर में भी इसी अवधि के लक्ष्य 235 मिलियन यूनिट की तुलना में मात्र 128 मिलियन यूनिट और राजस्थान के राणा प्रताप सागर में 271 मिलियन यूनिट के लक्ष्य की तुलना में सिर्फ 203 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन हो सका। अगर इस समस्या पर समय रहते गौर नहीं किया गया तो पूरे राष्ट्र को जल, विद्युत और न जाने कौन-कौन सी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ेगा, जिनसे निपटना सरकार और प्रशासन के सामर्थ्य की बात नहीं रह जाएगी।

दैवीय पृथ्वी पर प्रकृति शोभा के लिए पर्यावरण की सुरक्षा विकास का एक अनिवार्य भाग है। पर्यावरण की समुचित सुरक्षा के अभाव में विकास की क्षति होती है। इस क्षति के कई कारण हैं। यांत्रिकीकरण के फलस्वरूप कल-कारखानों का विकास हुआ। उनसे निकलने वाले उत्पादों से पर्यावरण का निरंतर पतन हो रहा है। कारखानों से निकलने वाले धुएं से कार्बन मोनो ऑक्साइड और कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी गैसें वायु में प्रदूषण फैला रही हैं, जिससे आंखों में जलन, जुकाम, दमा तथा क्षयरोग आदि हो सकते हैं। दिसंबर 1984 की भोपाल गैस रिसाव त्रासदी के जख्म अभी भी पूरी तरह से भरे नहीं हैं। वर्तमान में भारत की जनसंख्या एक अरब से ऊपर तथा विश्व की छह अरब से अधिक पहुंच गई है, इस विस्तार के कारण वनों का क्षेत्रफल लगातार घट रहा है। 10 साल में लगभग 24 करोड़ एकड़ वन क्षेत्र पूरी तरह से समाप्त हो गया है। नाभिकीय विस्फोटों से उत्पन्न रेडियोएक्टिव पदार्थों से पर्यावरण दूषित हो रहा है। अस्थि कैंसर और थायरॉइड कैंसर तथा त्वचा कैंसर जैसी घातक बीमारियां हो रही हैं।

पर्यावरण के बिगड़ते स्वरूप को लेकर विशेषज्ञ और खुद प्रकृति संकेत दे रही है, मगर हम अब तक न तो सचेत हुए हैं और न ही खुद से जिम्मेदार बन रहे हैं। लगातार आ रहे तूफान, अतिवर्षा या फिर सूखा हमारी देन है, मगर हम प्रकृति को ही कोसते नजर आते हैं। लेकिन अब पानी धीरे-धीरे सिर के ऊपर जा रहा है। अगर अब भी हम नहीं चेते तो स्थिति इतनी विकट हो जाएगी कि हमारे पास स्थिति से निपटने का समय ही नहीं बचेगा।

**रमेश ठाकुर**
(वरिष्ठ पत्रकार)

## ट्विटर

चाइल्ड पोर्नोग्राफी से निपटने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। इस अपराध के लिए सजा का प्रावधान बढ़ाया गया है। सरकार और सख्ती से भी पीछे नहीं हटेगी।

**रविशंकर प्रसाद, वित्त मंत्री**

चाइल्ड पोर्नोग्राफी एक ऐसी समस्या है, जिससे सरकार के लिए अकेले निपटना संभव नहीं है। समाज को भी भूमिका समझनी होगी व अपराधियों के खिलाफ खड़ा होना पड़ेगा।

**शशांक द्विवेदी, तकनीकी मामलों के जानकार**

## सत्यार्थ

# अहंकार ही पतन का कारण

**देवराज** इंद्र के कोषाध्यक्ष कुबेर स्वयं को देवकोष का मालिक मान कर धन का निजी स्वार्थ में उपयोग करने लगे थे। एक दिन वे भगवान शिव के पास गए व कहा- महादेव, मैं एक भव्य भोज का आयोजन कर रहा हूं। मेरी इच्छा है कि उसमें सभी देवगण, यक्ष, गंधर्व आदि भाग लें और सभी वहां से तृप्त होकर लौटें। कृपया आप भी सपरिवार पधारें। शिवजी समझ गए कि कुबेर अहंकारग्रस्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा-मैं तो नहीं आ पाऊंगा, न पार्वती ही आ पाएंगी, किंतु गणेशजी को जरूर भेज दूंगा। गणेशजी भोज में जा पहुंचे। उन्होंने जाते ही कुबेर से कहा कि मुझे बहुत भूख लगी है। सबसे पहले आप मुझे भोजन कराएं। गणेशजी के क्रोध से कुबेर पहले ही परिचित थे। उन्होंने उनकी थाली सबसे पहले परोस दी। गणेशजी ने शुरू किया, तो खाते ही चले गए। देखते-देखते तमाम व्यंजन समाप्त होने लगे। कुबेर यह देखकर डर गए कि अब अन्य अतिथि क्या खाएंगे। यह बात सोचते हुए उन्होंने भोजन परोसना रुकवा दिया। गणेशजी क्रोधित होकर बोले-आप तो दावा कर रहे थे कि यहां से कोई अतृप्त नहीं लौटेगा, लेकिन आप तो मुझ अकेले का तक पेट नहीं भर पाए। हैरान-परेशान कुबेर शिवजी के पास पहुंचे व भोज यज्ञ की रक्षा करने की प्रार्थना करने लगे। तभी गणेशजी वहां पहुंचे और अपने पिता से कहने लगे-मुझे किस दरिद्र के भोज में भेज दिया। अपने लिए दरिद्र शब्द सुनकर कुबेर का अहंकार जाता रहा। उन्हें समझते देर न लगी कि यह बाबा भोलेनाथ ने उनके अंहकार को तोड़ने के लिए ही किया था। शंकरजी ने कहा कि कुबेर, अहंकार के कारण ही तुम्हें लज्जित होना पड़ा है। अंहकार की राह सदैव पतन की ओर ले जाती है। भगवान शिव की यह बात हम सभी को याद रखनी चाहिए।

**राधा नाचीज**

# वैज्ञानिकों का कमाल, डीएनए में बदलाव कर दुनिया में आया पहला बच्चा

**हांगकांग (एजेंसी)।**

चीन के एक वैज्ञानिक ने दावा किया है कि उसने दुनिया के पहले आनुवंशिक रूप से संशोधित बच्चों को पैदा किया है। इस वैज्ञानिक खोज को संभावित रूप से रास्ता दिखाने वाला और चिकित्सा की दुनिया की विवाद पैदा करने वाला माना जा रहा है। चीनी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर हे जियानकुई ने यू ट्यूब पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि जुड़वा लड़कियों कुछ हफ्ते पहले पैदा हुई जुड़वां लड़कियों का जन्म हुआ है।

उनके डीएनए को एचआइवी को ग्रहण करने से रोकने के लिए बदल दिया गया है। प्रोफेसर अमेरिका में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़े-लिखे हैं और दक्षिणी चीनी शहर शेंजेन में एक प्रयोगशाला से काम करते हैं। प्रोफेसर ने कहा कि उनके डीएनए को सीआरआईएसपीआर का उपयोग करके संशोधित किया गया है। एक तकनीक के जरिए यह वैज्ञानिकों को बहुत छोटी धागे के बराबर डीएनए को हटाने और बदलने की अनुमति देता है।

उद्योग पत्रिका एमआईटी टेक्नोलॉजी रिव्यू द्वारा रविवार को प्रकाशित एक लेख में यह प्रक्रिया सामने आई। इसमें प्रयोगशाला में भर्ती किए लिए दंपति के बारे में दक्षिण यूनिवर्सिटी की रिसर्च टीम द्वारा ऑनलाइन पोस्ट किए गए चिकित्सा दस्तावेजों का विवरण दिया गया है। इस बारे में उनका वीडियो ऑनलाइन हो गया है। इसको लेकर वैज्ञानिक समुदाय के बीच गरमागरम बहस चल रही है। कई विशेषज्ञों ने दावों की सफलता पर शक जताया है और वहीं अन्य लोगों ने सृजन की इस आधुनिक विद्या के रूप में अस्वीकार किया है।

प्रोफेसर ने बताया कि बच्चियों का नाम लूलू और नाना दिया गया है। हालांकि ये उनके वास्तविक नाम नहीं हैं। यह बच्चियां नियमित रूप से आइवीएफ के रूप में जन्मी हैं, लेकिन अंडाणु को गर्भ में डालने से पहले उनको संशोधित किया गया है। उन्होंने बताया कि पति के शुक्राणु को जब अंडाणु में डाला गया, तभी एक एम्ब्रयोलाजिस्ट (भ्रूणविज्ञानी) ने सीआरआईएसपीआर/कैस-9 प्रोटीन भेजा। इसके साथ ही भविष्य में एचआइवी संक्रमण से बचाने के लिए जीन सर्जरी के निर्देश दिए गए।

यह दावा को मंगलवार को हांगकांग में होने वाले विश्व के विशेषज्ञों के एक सम्मेलन से पहले आया है, जिसके बारे में अधिक जानकारी देने की उम्मीद है, लेकिन अभी तक उनके दावों का कोई स्वतंत्र सत्यापन नहीं हुआ है। यह पीर रिव्यू जर्नल में प्रकाशित नहीं हुआ है। इस बारे में एक चूक? यह है कि वैज्ञानिकों के आलोचकों के दस्तावेज को जब्त कर लिया गया है।

**अत्यधिक परेशानी पैदा करने वाला**

एमआईटी टेक्नोलॉजी रिव्यू ने कहा है कि तकनीक नैतिक रूप से प्रभावित करती है। भ्रूण में बदलाव भविष्य की पीढ़ियों द्वारा विरासत में प्राप्त किया जाएगा और अंततः पूरे जीन के भंडार को प्रभावित कर सकता है। अन्य वैज्ञानिकों ने भी इस बारे में सावधानी बरतने के बारे में कहा है।

मैसाचुसेट्स लोवेल विश्वविद्यालय में दर्शन के सहायक प्रोफेसर निकोलस इवांस ने ट्विटर पर कहा कि इस बारे में किया गया दावा जंगली है। उन्होंने कहा कि मूल स्तर पर यूट्यूब वीडियो के माध्यम से परीक्षण की घोषणा करना वैज्ञानिक प्रैक्टिस का बेहद समस्याग्रस्त रूप है, क्योंकि यह पुनरीक्षण प्रक्रिया को अलग करता है जिस पर बहुत से वैज्ञानिक अग्रिम रूप से निर्भर करते हैं, जैसे पीर रिव्यू।

## सार समाचार

### आतंकवादियों के हमले में इस्लामिक धर्म उपदेशक और उसके 17 समर्थकों की मौत

नैरोबी। सोमालिया के गलकायो शहर में आतंकवादियों द्वारा किए गए एक हमले में एक इस्लामिक धर्म उपदेशक और उनके कम से कम 17 अनुयायियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। गलकायो के एक पुलिस अधिकारी अहमद अवाले ने बताया कि सोमवार को तड़के दो आत्मघाती हमलावरों ने उपदेशक के घर ,जोकि एक सूफ़ी दरगाह भी है, के सामने खुद को उड़ा लिया। इसके बाद चार बंदूकधारियों ने इमारत में घुसकर गोली चलानी शुरू कर दी। इस घटना में कम से कम 20 लोग घायल भी हुए। अवाले ने बताया कि सोमाली सुरक्षाकर्मियों ने जवाबी कर्रवाई की और इमारत में भारी गोलीबारी हुई। पुलिस की ओर से हुई गोलीबारी में तीन हमलावर मारे गए और एक को जीवित पकड़ लिया गया। सोमालिया में सक्रिय आतंकवादी संगठन अल-शबाब ने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। धर्म उपदेशक शेख अब्दीवेली अली इल्मी के सोमालिया में सैकड़ों समर्थक हैं और उन्हें विवादित धार्मिक नेता माना जाता है क्योंकि कई वीडियो में उन्हें अपनी धार्मिक कविताओं को संगीत के साथ गाते देखा गया है जो कि चरमपंथियों के अनुसार इस्लाम के खिलाफ है। वहीं शेख इल्मी यह कहते हुए अपना बचाव करते थे कि संगीत इस्लाम की शिक्षा के खिलाफ नहीं है।

### इराक में आयी बाढ़ में दो दिन में 21 लोगों की मौत: स्वास्थ्य मंत्रालय

बगदाद। इराक में भारी बारिश के कारण आयी बाढ़ में दो दिन में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गयी है। इराक के स्वास्थ्य मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र ने रविवार को यह जानकारी दी। इराक के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता सैफ अल-बद्र ने बताया कि मरने वालों में औरतें और बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कम से कम 180 लोग घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि सलाहाद्दीन प्रांत में कुल 10,000 लोगों और निनेवेह में 15,000 लोगों को तत्काल मदद की जरूरत है। प्रधानमंत्री अब्देल अब्देल महदी ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि वे लोगों की मदद के लिये सुरक्षा बलों, स्थानीय अधिकारियों का एक ''संकट प्रकोष्ठ'' स्थापित करने वाले हैं।

### शरणार्थियों के सीमा पार करने की कोशिश के बाद अमेरिका ने सीमा बंद की

तिजुआना (मेक्सिको) । मेक्सिको सिटी के तिजुआना से सैकड़ों शरणार्थियों के सीमा पर बाड़ तोड़ने की कोशिश करने के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने रविवार को दक्षिणी कैलिफिर्निया से लगी सीमा को बंद कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों ने यह घोषणा की। कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में 'अमेरिका के सीमा शुल्क एवं सुरक्षा (सीबीपी) कार्यालय' ने ट्विटर पर बताया कि उसने सैन सिदरो की सीमा चौकी पर वाहनों की आवाजाही उत्तर और दक्षिण दोनों ओर से बंद कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के स्थिति के नियंत्रण से बाहर जाने और लोगों को चोट पहुंचने की स्थिति में ''मेक्सिको से लगी सभी सीमाएं बंद'' करने की धमकी देने के तीन दिन बाद यह कदम उठाया गया है।

# मालदीव के विदेश मंत्री से सुषमा स्वराज ने की मुलाकात, सुरक्षा समेत इन मुद्दों पर बनी बात

**लंदन (एजेंसी)।**

नई दिल्ली = विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने सोमवार को मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद से मुलाकात की ताकि द्विपक्षीय सहयोग मजबूत बनाया जा सके और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.मालदीव का विदेश मंत्री बनने के बाद यह शाहिद की पहली आधिकारिक यात्रा है. यह यात्रा अहम है क्योंकि मालदीव की पिछली सरकार के समय दोनों देशों के रिश्तों में तनाव कायम हो गया था. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट किया, ''मालदीव की विकास संबंधी प्राथमिकताएं पूरी करने के लिए साथ मिलकर काम कर रहे हैं. द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद की मुलाकात काफी गर्मजोशी भरी और सकारात्मक रही.''

इससे पहले, सुषमा ने शाहिद का गर्मजोशी से स्वागत किया और विदेश मंत्री नियुक्त होने पर उन्हें बधाई दी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माले में 17 नवंबर को मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के शपथ-ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया था.

### अफगानिस्तान: पुलिस काफिले पर तालिबान का हमला, 22 लोगों की मौत

**हेरात (अफगानिस्तान) (एजेंसी)।**

=पश्चिमी अफगानिस्तान में तालिबान ने पुलिस के एक काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें कम से कम 22 पुलिसकर्मी मारे गए. एक स्वास्थ्य अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. अफगानिस्तान के सुरक्षा बल लगातार देश में इस तरह के हमलों का सामना कर रहे हैं. अफगानिस्तान में हाल के सप्ताहों में लगातार ऐसे हमले हुए हैं. इससे पहले शुक्रवार को सेना के शिविर स्थित मस्जिद में आत्मघाती हमला हुआ था. प्रांतीय राजधानी के एक सरकारी अस्पताल के निदेशक शिर अहमद वेडा ने बताया कि रविवार को घात लगाकर किए गए इस हमले में कम से कम दो पुलिस अधिकारी घायल हो गए. तालिबान ने एक वाट्सएप संदेश से इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए इसमें 25 पुलिसकर्मियों के मारे जाने और चार के घायल होने की बात कही.

### आतंकी समूहों पर कार्रवाई पाक के हित में, उसे समझाने की हर कोशिश जारी

**वाशिंगटन (एजेंसी)।**

अमेरिका पाकिस्तान को यह समझाने के लिए हरसंभव तरीके आजमाने पर विचार कर रहा है कि आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई करना उसके अपने हित में है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रशासनिक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, ''तमाम बहसों का केंद्र पाकिस्तान को आतंकवाद प्रायोजक देश घोषित करना नहीं है। चर्चाएं इसलिए हैं कि पाकिस्तान को यह समझाने के लिए अन्य तरीकों का इस्तेमाल कैसे किया जाए कि आतंकवादी समूहों पर कार्रवाई करना उसके अपने हित में है।'' अधिकारी ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''यह विकल्प पाकिस्तान को चुनना है कि वह आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में सहयोग करे और अमेरिका तथा शेष दुनिया के साथ घनिष्ठ संबंधों का लाभ उठाए या अपना रवैया नहीं बदलने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलगाव का सामना करे।''बीते हफ्ते फॉक्स न्यूज को दिये साक्षात्कार में, ट्विटर पर और व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तान पर आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई के मामले में अमेरिका के लिए कुछ नहीं करने का आरोप लगाया था। तब ट्रम्प ने यह भी दोहराया था कि जब तक पाकिस्तान अपना रवैया नहीं बदलता तब तक उनका प्रशासन उसे दी जाने वाली सभी सहायता बंद रखेगा।

### न्यूजीलैंड के तट पर फंसी सभी 145 पायलट व्हेल की मौत

**वेलिंगटन (एजेंसी)।**

न्यूजीलैंड के दूरदराज के तट पर फंसी सभी 145 पायलट व्हेल की मौत हो गई। हालांकि संरक्षणकर्मियों को आशा है कि वह उन आठ छोटी किलर व्हेल को बचा लेंगे जो देश के दूसरे हिस्से में सोमवार को भी फंसी रहीं। शनिवार को स्टीवर्ट द्वीप पर एक हाइकर ने व्हेल के दो समूहों को फंसे देखा था। ये समूह एक-दूसरे से करीब दो किमी दूर थे। इनमें से 75 मर चुकी थीं और बाकी की हालत बहुत खराब थी। संरक्षण विभाग के एक अधिकारी रेन लेपन्स ने बताया कि ये व्हेलें रेत में आधी दबी हुई थीं। उनकी खराब हालत को देखते हुए उन्हें इस पीड़ा से मुक्ति दिलाने का फैसला किया गया और उन्हें गोली मार दी गई। इसके बाद रविवार को 10 छोटे आकार की किलर व्हेल उत्तरी द्वीप पर फंसी देखी गई। उनमें से दो मर चुकी थीं।

# पिता के सिगरेट पीने से बेटे की सेक्सुअल लाइफ हो जाएगी बर्बाद: रिसर्च

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

अब तक की रिसर्च के आधार पर आपने यही सुना और पढ़ा होगा कि प्रेग्नेंसी के दौरान मां के स्मोकिंग करने या शराब पीने का बच्चे पर विपरीत असर पड़ता है. कई शोध से यह भी साफ हो चुका है कि गर्भावस्था के दौरान मां के धूम्रपान करने का असर होने वाले बेटे के स्पर्म काउंट पर पड़ता है. लेकिन अब एक नई रिसर्च में साफ हुआ है कि जिस बच्चे के पिता अपनी पत्नी के गर्भधारण के दौरान स्मोकिंग करते हैं उनके होने वाले बेटे के स्पर्म काउंट स्मोकिंग नहीं करने वाले पिता की संतान से 50 प्रतिशत तक कम होते हैं.

लंदन यूनिवर्सिटी की रिसर्च में हुआ खुलासा

स्वीडन की लंदन यूनिवर्सिटी की रिसर्च में यह बात सामने आई है कि पत्नी के गर्भधारण के दौरान सिगरेट पीने वाले पुरुषों के बेटों के स्पर्म काउंट में आधे की गिरावट का खतरा हो सकता है. रिसर्च से सामने आए आंकड़ों से पता चला कि जिन युवाओं के पिता स्मोकिंग करते थे, उनके स्पर्म के घनत्मव में 41 प्रतिशत और सिगरेट नहीं पीने वाले पिताओं के बच्चों के मुकाबले 51 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई.

**104 युवाओं को शोध में शामिल किया**

इस शोध को 17 से 20 साल की उम्र के 104 युवाओं पर किया गया. यूनिवर्सिटी के जोनाथन एग्जल्सन ने बताया कि इससे पहले कई अध्ययनों से यह सामने आ चुका है कि अगर मां सिगरेट पीती है तो उसका बुरा असर गर्भ में पल रहे भ्रूण पर पड़ता है, लेकिन इस अध्ययन में पिता के सिगरेट पीने का नकारात्मक असर बेटों पर देखने में आया है.

यहां यह साफ कर दें कि स्पर्म काउंट में कमी और वीर्य से जुड़े दूसरे मापदंडों में होने वाली कमी के पीछे वातावरण से संबंधित कई कारण भी जिम्मेदार हैं. इनमें इंडोक्राइन को बाधित करने वाले केमिकल, कीटनाशक, तेज धूप, लाइफस्टाइल फैक्टर्स जिसमें खान-पान, तनाव और बॉडी मास इंडेक्स जैसी चीजें भी शामिल हैं.

### अमेरिका ने मेक्सिको सीमा पार कर रहे शरणार्थियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े

**तिजुआना (मेक्सिको) (एजेंसी)।**

अमेरिकी एजेंटों ने मेक्सिको के तिजुआना में तारबंदी पर चढ़ कर सीमा पार करने की कोशिश कर रहे सैकड़ों शरणार्थियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े. कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में 'अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) कार्यालय' ने बताया कि घटना के बाद सैन सिदरो सीमा चौकी को उत्तर और दक्षिण दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है. इसके अलावा पैदल यात्रियों के लिए भी मार्ग कई घंटो तक बंद रहा. 'सैन सिदरो सीमा चौकी' अमेरिका और मेक्सिको सीमा पर स्थित सबसे व्यस्त क्रॉसिंग है.

इनमें अधिकतर शरणार्थी होंडुरास से हैं और उस ''काफिले'' का हिस्सा हैं, जिसकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कड़ी निंदा करते हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के स्थिति के नियंत्रण से बाहर जाने और लोगों को चोट पहुंचने की स्थिति में ''मेक्सिको से लगी सभी सीमाएं बंद'' करने की धमकी देने के तीन दिन बाद यह कदम उठाया गया है.

मेक्सिको के गृहमंत्री अल्फोन्सो नाबारेट्टे ने तिजुआना से ''हिंसात्मक तरीके'' से सीमा पार करने की कोशिश करने वाले शरणार्थियों की निंदा करते हुए कहा कि उन्हें वापस भेजा जाएगा. 'मिलनियो टेलीविजन नेटवर्क' पर उन्होंने कहा, ''काफिले की मदद करने की बजाय वे उनको नुकसान पहुंचा रहे हैं.'' ट्विटर पर वायरल हुए वीडियो में शरणार्थियों की भीड़ अमेरिका की ओर जाते नजर आ रही है, जिसे वहां तैनात मेक्सिको पुलिस संभाल नहीं पाई. करीब 5000 शरणार्थी अमेरिका में दाखिल होने के लिए तिजुआना में एकत्रित हो रहे थे.

# 26/11 के दस साल बीत जाने के बाद भी भारत को इंटरनेशल कोर्ट से न्याय का इतंजार

**लाहौर (एजेंसी)।**

भारत की आर्थिक राजधानी में 26/11 को हुए नरसंहार के, सोमवार को दस बरस हो गए लेकिन पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी एक अदालत में, खौफनाक मुंबई हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के आरोपों का सामना कर रहे लश्कर ए तैयबा के सात सदस्यों के खिलाफ सुनवाई अभी भी चल ही रही है. यह स्थिति तब है जब इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने 2015 में आतंकवाद विरोधी अदालत को दो महीने में मामले की सुनवाई पूरी करने का निर्देश दिया था.

हमले के मास्टर माइंड कहलाने वाला, लश्कर ए तैयबा का कमांडर जकी.उर.रहमान लखवी एक तरह से बरी हो गया है क्योंकि पाकिस्तान सरकार ने उसे मिली जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की योजना का कोई संकेत नहीं दिया है. सुनवाई में आ रहे नाटकीय मोड़, न्यायाधीशों को बार बार बदले जाने और एक अभियोजक की हत्या के चलते लग रहा है कि अन्य छह संदिग्धों को भी बरी किया जा सकता है.

पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा के दस आतंकवादियों ने 26 नवंबर 2008 को मुंबई में समन्वित तरीके से 12 जगहों पर गोलीबारी और बम से हमला किया था. आतंकियों का यह कहर, 29 नवंबर तक, चार दिन चला था. इस हमले में कुल 166 लोग मारे गये थे और 300 से अधिक लोग घायल हुये थे. पुलिस ने नौ हमलावरों को मार गिराया था जबकि एक आतंकवादी अजमल कसाब को जिंदा पकड़ लिया गया था. भारत में सुनवाई के बाद उसे फांसी दे दी गई थी.

पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा के सात संदिग्धों लखवी, अब्दुल वाजिद, मजहर इकबाल, हमाद अमीन सादिक, शाहिद जमाल रियाज, जमील अहमद और युनूस अंजुम के खिलाफ हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप है. इनके खिलाफ 2009 से सुनवाई जारी है.इस्लामाबाद को, खास कर राजनीतिज्ञों को अहसास है कि इस हमले की वजह से दोनों देशों के बीच दोस्ताना संबंध बनाने के तमाम प्रयास नाकाम हो गए. बहरहाल, इस बारे में राय अलग अलग है कि पाकिस्तान में दोषियों को सजा दिए जाने से दोनों देशों के रिश्ते सामान्य हो पाएंगे या नहीं.

# दुपट्टा बना काल, 9 साल की किशोरी की मौत

सूरत। शहर के अडाजण क्षेत्र में एक 9 साल की किशोरी के दुपट्टा फांसी का फंदा साबित हुआ और उसकी जान ले ली। यह घटना उस समय घटी जब किशोरी अपने घर में खेल रही थी और उसके दुपट्टे का एक सिरा झूले के हुक में फंस गया। जानकारी के अनुसार सूरत के अडाजण क्षेत्र में भुलका भवन स्कूल के निकट अक्षर ज्योत एपार्टमेंट निवासी 9 वर्षीय जान्हवी वनराजसिंह नकूम कल शाम अपने घर में अकेली थी। जान्हवी का स्कूल बैग खरीदने उसकी माता के बाजार गई थी। उस वक्त जान्हवी घर का दरवाजा बंद कर अकेली घर में खेल रही थी। खेल खेल में जान्हवी का दुपट्टा झूले का हुक में फंस गया। गले में दुपट्टा कसने से जान्हवी का दम घुटने लगा और वहीं गिर पड़ी। घटना की खबर उस वक्त हुई जब उसकी माता बाजार से लौटी और दरवाजा खटखटाया। लेकिन घर के भीतर से कोई जवाब नहीं मिलने पर पड़ौसियों की मदद से दरवाजा तोड़ घर में प्रवेश किया। घर के भीतर जान्हवी झूले के हुक से बंधे दुपट्टे में फांसी लगी हालत में मिली7 तुरंत उसे ए ब्युलैंस 108 की मदद से अडाजण के निजी अस्पताल ले जाया गया7 जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूरत। शहर के पांडेसरा विस्तार में कंटेनर हटाने के बाद में क्या हालात है यह देखने के बाद ही पता चलता है कि सूरत शहर के अन्य विस्तार में क्या हालत होगी।

# चौक बाजार में दुकान-लारीवाले पर बदमाशों का हमला

सूरत। शहरके वेडरोड सिंगणपोर गाम इलाके में दुकान और ठेलेवालों के पास से रोजाना 50-50 रुपए का हप्ता वसूलनेवाले बदमाशों ने ह ता नहीं देने पर एक दुकान और ठेलेवाले के साथ मारपीट की।

चौक बाजार पुलिस सूत्रों के अनुसार कतारगाम उदयनगर रवि अपार्टमेंट निवासी गंगा प्रसाद शुकरूप्रसाद यादव सिंगणपोर सहजानंद सोसायटी में लोर मिल चलाते हैं। गतरोज स्थानीय बदमाश हि मत आलज सोसा (निवा. सिंगणपोर गाम, नवा मोहल्ला) समेत तीन जनों ने उनके पास से 50 रूपए का हप्ता मांगा था। वहीं पास के दुकान वाले अनिल कुमार ने भी हप्ता देने से मना कर दिया। जिससे गुस्साये बदमाशों ने दोनों के साथ मारपीट की और लारीवाले गणपतसिंह राजपूत, सुभाष गुप्ता, राकेश कौशल, राजु पासवान समेत अन्य लारीवाले के पास से 50 रुपए हप्ते के तौर पर वसूली की। पुलिस ने गंगा प्रसाद की तहरीर के आधार पर बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

# वराछा में पेट्रोल पंप कर्मचारी पर हमला

सूरत। वराछा में इलाके स्थित एक पेट्रोल पंप पर कर्मचारी ने बोतल में पेट्रोल देने से मना करने पर बदमाशों द्वारा हमला किया गया। पुलिस ने सात जनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है ।वराछा पुलिस सूत्रों के अनुसार वराछा एस.एच.रोड में श्रीधर पेट्रोल पंप पर शनिवार की रात को साढे दस बजे पेट्रोल पंप पर राजु नगराडे और नरेश पटेल नौकरी पर थे। तभी बाइक पर आए दो अज्ञातों ने बोतल में पेट्रोल की मांग की, लेकिन उन्हें मना करने पर अन्य पांच साथियों के साथ आकर दोनों कर्मचारियों के साथ मारपीट की। पूरी वारदात पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई। पुलिस ने पेट्रोल पंप के सुरेश रमणलाल नायक (निवा. मेघना रो हाउस, महाराजा अग्रसेन भवन के पीछे, सिटीलाइट) ने घटना की शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीफुटेज के आधार पर आगे की जांच शुरू की है।

लूंट के केस में गेंग के चार आरोपियों को मोबाइल फोन और वाहनो के साथ गिरफ्तार किया गया।

# मोल-मल्टीप्लेक्स में पार्किंग चार्ज वसूली पर हाईकोर्ट की रोक

सूरत। गुजरात हाईकोर्ट से आज मोल-मल्टीप्लेक्स संचालकों को तगड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि मोल-मल्टीप्लेक्स संचालकों को पार्किंग चार्ज वसूली का कोई अधिकार नहीं है। हाईकोर्ट ने महानगर पालिका और पुलिस को पार्किंग चार्ज वसूली कर रहे मोल-मल्टीप्लेक्स संचालकों के खिलाफ कार्यवाही करने का आदेश भी दिया है।

गुजरात में वाहनों की लगातार बढ़ती सं या से ट्रैफिक के साथ ही पार्किंग भी बड़ी समस्या बन गई है। मोल-मल्टीप्लेक्स में आने वाले लोगों से उसके संचालक वाहन पार्किंग का चार्ज वसूल रहे हैं। पार्किंग के मुद्दे पर गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए मोल-मल्टीप्लेक्स संचालकों को अदालत ने आंशिक राहत दी थी। संचालकों की मांग थी कि मोल-मल्टीप्लेक्स में आनेवाले लोगों से वाहन पार्किंग चार्ज वसूलने की अनुमति दी जाए। उस वक्त आंशिक राहत देने के बाद आज हाईकोर्ट ने संचालकों को कड़ी फटकार लगाई। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि मोल-मल्टीप्लेक्स संचालकों को वाहन का पार्किंग चार्ज वसूलने का कोई अधिकार नहीं है। हाईकोर्ट ने मोल-मल्टीप्लेक्स संचालकों द्वारा पार्किंग चार्ज की वसूली पर रोक लगाते हुए महानगर पालिका समेत पुलिस को आदेश दिया है। जिसमें कोर्ट ने कहा कि वह ऐसे मोल-मल्टीप्लेक्स संचालकों के खिलाफ कार्यवाही करेंग जो वाहन चालकों से पार्किंग चार्ज की गैरकानूनी वसूली कर रहे हैं। कोर्ट ने संचालकों को चेतावनी दी है कि मोल-मल्टीप्लेक्स बंद कराने के बारे में कोई आदेश से पहले वह कोई फैसला करें। वर्ना कोर्ट मोल-मल्टीप्लेक्स बंद करवा सकती है।

## स्क्रुटिनी की नोटिसों का जवाब देने हेतु करदाता गैर हाजिर: आईटी अधिकारी परेशान

सूरत। आयकर विभाग ने जारी वित्तीय वर्ष में दो हजार से अधिक करदाताओं को स्क्रुटिनी की नोटीस दी है। दिसम्बर माह में स्क्रुटिनी के मामले समाप्त करने की अंतिम तिथि 31 दिस बर दी गई है। आयकर विभाग द्वारा करदाताओं को वारंवार नोटीस भेज जवाब देने क लिए बुला रहा है लेकिन करदाता हाजिर नहीं होने से आयकर अधिकारी भी परेशान हो गये हैं।

आयकर विभाग के सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टेक्स द्वारा जारी वित्तीय वर्ष से स्क्रुटिनी के तमाम केसो को नोटीस ऑनलाइन भेजी गई है। जिसके चलते कई मामलों में आयकर विभाग ने भेजी नोटीस करदाताओं को मिली ही नहीं या फिर कई करदाताओं को पता ही नहीं कि उन्हें नोटीस भेजी गई है। नोटीस का जवाब देने के लिए 31 दिस बर तक का समय दिया गया है लेकिन अभी तक अधिकांशत: मामलो में करदाता हाजिर नहीं होने से आयकर अधिकारियों की परेशानी बढ गई है। आयकर अधिकारियों का कहना है कि अब गिनती के दिन ही बाकी रह गये हैं ऐसे में भी करदाता जवाब देने के लिए नहीं आ रहे। जिससे ऐसेसमेन्ट मुश्किल हो गया है यदि अब भी वे नहीं आयेंगे तो एक तरफी कार्यवाही कर शो-कॉज नोटीस भेजी जायेगी। जवाब देने नहीं आनेवाले करदातओं में से आयकर विभाग ने 1000 को शो-कॉज नोटीस भी भेज दी है।

उलेखनीय है कि सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टेक्स द्वारा जारी वित्तीय वर्ष में आयकर अधिकारियों और करदाताओं की सुविधा के लिए स्क्रुटिनी के केसो की नोटीस ऑनलाइन भेजी गई है। लेकिन कुछ मामलों में करदाताओं ने भेजा जवाब आयकर अधिकारियों को क प्युटर पर दिखाई ही नहीं देते, जिसके परिणाम स्वरुप आयकर अधिकारियों और करदाताओं दोनों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। यदि सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टेक्स इसमें सुधार नहीं करेगा तो दोनों की परेशानी में और वृद्धि होगी।

# अक्षरधाम हमले में शामिल आरोपी फारूक गिरफ्तार

अहमदाबाद । गुजरात के गांधीनगर स्थित अक्षरधाम मंदिर में २४ सितंबर २००२ को हुए आतंकी हमले के आरोपी मोहम्मद फारूक शेख को गिरफ्तार कर लिया गया है । सोमवार को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने मोहम्मद फारूक को गिरफ्तार किया है । बता दें कि अक्षरधाम मंदिर पर हुए आतंकी हमले में ३२ लोग मारे गए थे । गौरतलब है कि अक्षरधाम मंदिर पर हुए आतंकवादी हमले के तीन दोषियों को गुजरात हाई कोर्ट ने मौत की सजा सुना दी थी । हमले में एनएसजी कमांडो ने दो आतंकवादियों को मार गिराया था । इन आतंकियों के संबंध लश्कर-ए-तैयबा से पाए गए थे । सूत्रों के मुताबिक पुलिस की गिरफ्त में आया फारूक हमले के बाद से ही दूसरे देश में छिपा हुआ था । लंबे समय से फरार चल रहे फारूक को पकड़ने के लिए अहमदाबाद क्राइम ब्रांच प्रयास कर रही थी । सोमवार को फारूक को अहमदाबाद एयरपोर्ट पर दबोच लिया गया । २४ सितंबर २००२ को हथियारो से लैस आतंकियों ने फायरिंग करते हुए श्रद्धालुओं को निशाना बनाया था । इस हमले में ३२ श्रद्धालुओं के साथ ही ३ सुरक्षाकर्मियों को भी जान गंवानी पड़ी थी ।

### नेपाल के पोखरा इलाके में एक युवती के साथ गिरफ्तार किया गया

# गुजरात के महाठग विनय शाह को आखिर गिरफ्तार किया गया

## २६० करोड़ रुपये के ठगाई करने वाले ठग के पास से चार मोबाईल, लेपटोप, छह एटीएम कार्ड और लाखो रुपये की फौरेन करन्सी जब्त हुई

अहमदाबाद । पैसा दुगुना-तिगुना करने का लालच देकर लोगों को २६० करोड़ रुपये का चूना लगाने वाले अहमदाबाद के महाठग और ठग्स ऑफ गुजरात के रुप में चर्चा में आए शख्स विनय शाह को आज नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । विनय शाह के पास से नेपाल पुलिस ने बड़ी मात्रा में डॉलर और यूरो बरामद किए हैं । गुजरात सीआईडी और क्राइम टीम पिछले १५ दिनों से उसे तलाश रही थी । नेपाल पुलिस ने उसके साथ एक महिला को भी गिरफ्तार किया है जिसका नाम चंदा थापा बताया जा रहा है । हालांकि पैसा दोगुना-तिगुना करकने की स्कीम में साथ देने वाली विनय शाह की पत्नी भार्गवी शाह अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं । गुजरात सीआईडी क्राइम के डीजी आशीष भाटिया ने बताया कि कानूनी प्रक्रिया पुरी करने के बाद विनय शाह को ज ल्द ही भारत लाया जाएगा । विनय शाह के पास से बरामद डॉलर और यूरो की कीमत ३४ लाख रुपये बताई जा रही है । सीआईडी क्राइम की एक टीम नेपाल के लिए रवाना होगी, ताकि विनय शाह को जल्द गुजरात लाया जा सके । पुलिस के मुताबिक विनय शाह और उसकी पत्नी ईमेल के ज रिये ठगी की वारदात को अंजाम देते थे । दोनों ईमेल से घर बैठे ऑनलाइन विज्ञापन देकर निवेश की राशि को चंद महीनों में ही दो से तीन गुना करने का लालच देते थे । अहमदाबाद में विनय शाह और भार्गवी शाह के खिलाफ १० एफआईआर दर्ज हो चुकी है । दोनों आर्चर केयर डीजी एलएलएलपी, वर्ल्ड क्लेवर एक्स सॉल्यूशन नाम की कंपनी चलाते थे । ४५००, ९५००, २५००० रुपये के तीन स्कीमें कंपनी चलाती थी । इसी राशि को दो-तीन गुना करने का सांझा देकर पति-पत्नी लोगों को चूना लगाते थे । अहमदाबाद के वस्त्रापुर के थलतेज में प्रेसिडेन्ट प्लाजा में आर्चर केयर के कार्यालय को पुलिस ने सील कर दिया है । विनय शाह के पासे से लोपटोप, चार मोबाईल, छह एटीएम कार्ड और लाखो रुपये की फोरेन करन्सी मिलने के बाद इस मामले में भी जांच शुरू हो चुकी है । महाठग के रूप में चर्चा में आए विनय शाह की गिरफ्तार के बाद जिन लोगों ने अपने पैसे गवाये है उन लोगों को पैसे मिलने की आशा अब बढ़ गई है । गुजरात सीआईडी और क्राइम टीम पिछले १५ दिनों से टीप्स मिलने के बाद विनय शाह को गिरफ्त में लेने के लिए सक्रिय थी और आज आखिरकार आज इसे गिरफ्तार कर लिया गया । करोडो रुपये की ठगाई करने वाले विनय शाह की गिरफ्तार की जानकारी आज गुजरात पुलिस ने दी । सूत्रो ने बताया कि विनय शाह को गिरफ्तार किया गया है या उसने खुद आत्म समर्पण कर दिया है इस संदर्भ में कोई जानकारी नहीं मिली है । महाठग की पत्नी ने हालही में गुजरात पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने की तैयारी बताई थी । पत्र में ऐसा उल्लेख भी किया गया था कि विनय शाह गुम है । भार्गवी शाह के पत्र के बाद विनय ने आत्मसमर्पण किया होने की जानकारी भी मिली है । १० नवम्बर के दिन विनय के बारे में जानकारी मिली थी । विनय को काठमंडु की एक होटल में से २९ वर्षीय युवती के साथ गिरफ्तार किया गया है जिसका नाम चंदा थापा होने के बारे में जानकारी मिली है । पत्नी भार्गवी शाह अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है । नेपाल पुलिस ने विनय के साथ जिस महिला को गिरफ्तार किया है उस महिला के साथ विनय के संबंध होने के बारे में जानकारी मिली है किन्तु इस मामले में और अधिक तपास की जा रही है ।

# अजमेर ब्लास्ट केस : सुरेश नायर दो दिन के रिमान्ड पर

अहमदाबाद । शहर की मिर्जापुर कोर्ट ने अजमेर धमाका मामले के आरोपी सुरेश नायर को दो दिन के ट्रांजिट रिमांड पर नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी को सौंप दिया है । आरोपी को एटीएस ने रविवार को भरूच से पकड़ा था । वर्ष २००७ में उसने अजमेर की ख्वाजा मोइनुद्दीन दरगाह पर बम धमाका किया था, जिसमें तीन लोग मारे गए व २० घायल हुए थे । आतंकवाद निरोधक दस्ते ने सोमवार को बम धमाके के आरोपी को अहमदाबाद की मिर्जापुर कोर्ट में पेश किया । एनआइए ने उसे रिमांड पर सौंपने की मांग की, कोर्ट ने उसे दो दिन के ट्रांजिट रिमांड पर उसे सौंप दिया । सोमवार शाम को ही एनआइए उसे विमान से जयपुर लेकर रवाना हो गई । जांच एजेंसी एनआइए ने फरार सुरेश नायर दो लाख रुपये का ईनाम भी रखा था । एटीएस ने बताया कि खेड़ा जिले के ठासरा का रहने वाला आरोपी सुरेश नायर अजमेर दरगाह में धमाका करने के लिए बम का सामान पहुंचाया था । धमाके के कुछ देर पहले तक वह घटनास्थल पर मौजूद था । धमाके के बाद उसने पकड़े जाने के भय से साधु का वेश धारण कर लिया और गुजरात के विविध धार्मिक स्थलों व मंदिरों में छिपता फिरता था ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
**संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com ( subject to surat jurisdiction)